along with tickets for two other persons who did not travel. One cancelled his ticket earlier. The other did not turn up. But all the cases and all the papers have been taken by the investigating officers. So, at this stage, it may not be possible for me to name the person and the agency from where he has come.

श्री महेश्वर सिंह (हिमाचल प्रदेश) : एक बड़ा महत्वपूर्ण प्रश्न एक माननीय सदस्य ने किया था कि वह प्लास्टर कैसे काटा गया, इसका उत्तर नहीं आया ?

श्री गुलाम नबी आजाद : अब यह प्लास्टर कैसे काटा गया, अगर मैं जहाज पर होता तब मुझे पता चलता । इसी के लिए तो इन्वेस्टीगेशन हो रही है ताकि वह पता चल जाए कि प्लास्टर था कि नहीं था बैंडेज था क्योंकि इस बारे में अभी मालूम नहीं है । जिन लोगों ने वहां देखा है जहाज में उन्होंने कहा है, यहां से तो अंदाजा लगाया जा रहा है कि प्लास्टर था । कोई कह रहा था कि बड़ा मोटा बैंडेज था । यह तो जब इन्वेस्टीगेशन हो जाएगी, एक महीने के बाद जब रिपोर्ट आएगी तो उस वक्त मालूम पड़ेगा कि प्लास्टर वाकयी में था या व्हाइट बैंडेज बांधी हुई थी । इस वक्त तो मेरे लिए कहना संभव नहीं होगा ।

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Now, the Members will seek clarifications on the Statement laid on the Table of the Rajya Sabha on the 27th April, 1993, regarding bomb blasts in Bombay.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN) : Mr. Vice-Chairman, Sir, I have to make a statement on the Verma Commission of Enquiry. (*Interruptions*) I will lay it on the Table of the House.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, वर्मा कमीशन से संबंधित वक्तव्य के बारे में मेरा प्रपोजल यह है कि चूंकि डिस्कसन बाद में करेंगे, इसलिए आप डिस्ट्रीब्यूट कर दीजिए, पढ़ने की जरूरत नहीं है ।

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Let me inform the House that it has been decided today that the hon. Home Minister will make a statement on the Verma Commission of Enquiry. There will be no clarifications today because it has been decided by the hon. Chairman and the leaders of all political parties that there will be a full-fledged discussion tomorrow.

SHRI S. B. CHAVAN : Not tomorrow.

SHRI V. NARAYANASAMY : (Pondicherry) : Next week.

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : All right, any other convenient day as decided by the Business Advisory Committee. Now, the Home Minister will be laying the statement on the Table of the House.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR : Let it be distributed to all.

STATEMENT RE.—VERMA COMMISSION OF ENQUIRY

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN) : Sir, I beg to lay on the Table of the House a statement on the Verma Commission of Enquiry.

SHRI V. NARAYANASAMY : Sir, I would like to know when we are going to have the discussion. Is it this week or next week ?

SHRI S. B. CHAVAN : Next week.

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Next week.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR : We have not received the copies of the Home Minister's statement.

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : The statement has been laid. It will be circulated to the Members.

CLARIFICATIONS ON THE STATEMENTS BY MINISTERS

RE. BOMB BLASTS IN BOMBAY

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Now the Members will seek

clarifications on the statement regarding bomb blasts in Bombay. Shri Gurudas Das Gupta—no. here. Smt. Sarala Maheshwari.

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND) : Mr. Vice-Chairman, I will take two minutes.

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : You will come just after this. I have already taken up the agenda. It will not be possible or me to go back. Now, Smt. Sarala Maheshwari.

AN HON. MEMBER : Sir, there is total confusion.

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : There is no confusion at all. Yes. Smt. Sarala Maheshwari, please seek your clarifications.

श्रीमती सरला महेश्वरी (पश्चिम बंगाल) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, बंबई के बम विस्फोट और उसके बाद के घटनाक्रम से यह पता चलता है कि अब तक तो बंबइया फिल्मों में जिस हिंसा और अपराध जगत का चित्रण किया जाता रहा और जिसे हम अभी तक अतिशयोक्ति कहकर नजरंदाज करते रहे हैं, अब वह अतिशयोक्ति नहीं बल्कि बम्बई का एक यथार्थ है, यह साबित हो गया है ।

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं अर्ज करना चाह रही थी, जैसा कि बंबइया फिल्मों में अपराध जगत को जब चित्रित किया जाता है तो हमेशा एक ट्रायो की उपस्थिति दिखाई जाती है, एक त्रिदेव की उपस्थिति दिखाई जाती है और ये त्रिदेव हैं, एहला--अपराधी, दूसरा--पुलिस और तीसरा--राजनीतिक । हमारे माननीय मंत्री जी ने जो बयान दिया है उस बयान में से एक देव तो सामने आ गया है और वह यह है कि अपराधी कौन है । साफ जाहिर है कि अपराधी पाकिस्तान से मदद प्राप्त हमारे देश के कुछ तस्कर हैं, जिनका फिल्मी दुनिया से भी गहरा संबंध है । जो दूसरे दो पहलू हैं, दूसरे, जो दो देव हैं वह छिपे हुए हैं और उन पर अभी तक पर्दा पड़ा हुआ है । दूसरा पहलू, जो कानून का रक्षक है पुलिस, उस पुलिस की क्या भूमिका थी ? उस पर गृहमंत्री जी का बयान पर्दा ही डाले रहा है । मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि क्या गृहमंत्री जी यह चाहते हैं कि हम यह विश्वास कर लें कि बंबई में जो टनों आर. डी. एक्स. उतरा, वह पुलिस और कस्टम अधिकारियों की जानकारी के बिना उतरा ? जहां तक हमारी जानकारी है और जो अखबारों में आया है उससे पता चलता है कि पन्द्रह दिन पहले ही कुछ कस्टम अधिकारियों के घरों में छापे डाले गए । तो मंत्री महोदय स्पष्ट करें कि क्या यह सच है कि कस्टम अधिकारियों के घरों में छापे डाले गए ? अगर हां, तो इन छापों से उनके पास क्या-क्या जानकारी हासिल हुई? इसके अलावा इस अपराध जगत का जो तीसरा त्रयी है, तीसरा जो त्रिकड़ी है, वह है राजनीतिक । इस मामले में हमारे यह मंत्री का बयान कुछ नहीं कहता और मैं उस पर से पर्दा उठाना चाहती हूं । अखबारों में यह आया है कि बम विस्फोट कांड का जो प्रमुख अभियुक्त है दाऊद इब्राहीम, उसके जो संगी साथी थे टाइगर मेमन, उनसे यह पता चलता है कि टाइगर मेमन ने बम्बई के मालिश और बांद्रा इलाकों से ऐसे युवकों को एकत्रित किया था और उन्हें प्रशिक्षण के लिए पाकिस्तान भेजा था, जो दंगा पीड़ित इलाके थे और जो दंगों से प्रभावित थे । लेकिन, मंत्री महोदय ने इस बात का अपने बयान में कहीं कोई जिक्र नहीं किया है । तो मैं मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहती हूं कि क्या यह सच है कि दुबई में दाऊद इब्राहीम ने 20 जनवरी को मेमन से बात की थी और उन्हें कहा था कि बाबरी मस्जिद शहीद हो गई है, हमें इसका बदला लेना है ?

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहूंगी कि अभी तक जिन लोगों को पकड़ा गया है इस काण्ड में, जाहिर है कि उनसे थोड़ी बहुत

तहकीकात तो की होगी और कुछ जानकारियां भी उन्होंने दी होंगी, तो क्या इन जानकारियों से इस बारे में थोड़े से संकेत मिले हैं कि यह युवक उन दंगा पीड़ित इलाकों से आए थे और क्या सांप्रदायिक भावनाओं के चलते वह लोग जिस तरह से प्रभावित हुए क्या उस घटना का इस पर कोई असर है ? इसके साथ ही, यह घटना जो घटी है पाकिस्तान और भारत की सांप्रदायिक शक्तियों में, यहां हम एक अद्भुत साम्य देखते हैं । यह भी हकीकत है । मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगी कि क्या पिछली बार 6 दिसम्बर की घटना के बाद जब बंबई में दंगे हुए तो उन दंगों के दौरान शिव सेना के लोग खुलेआम दंगे भड़काते हुए नहीं दिखाई दिए ? और, शिव सेना के प्रमुख जो हैं ठाकरे साहब, उन्होंने बंबई के जो एक और तस्कर सम्राट हैं अरुण गावली और दाउद इब्राहीम के बीच में मध्यस्थता करने में कोई भूमिका नहीं निभाई ? मंत्री महोदय से मैं यह भी जानना चाहूंगी कि क्या यह सच है कि थाणे जिले में वरसाई विरार क्षेत्र में भाई ठाकुर नाम के व्यक्ति हैं, जो दाउद इब्राहीम के तस्करी के सामान के उतारने वाले प्रमुख एजेन्ट हैं ? और, इन भाई ठाकुर की पुलिस तहकीकात कर रही है टाडा में पकड़ने के लिए ?

[The Vice Chairman (Shri V. Narayanasamy) in the chair].

और यह भाई ठाकुर दुबई भाग गए हैं । इन भाई ठाकुर का संबंध कांग्रेस के कई नेताओं से बताया जाता है और यहां तक कि यह भी जानकारी आई है कि भाई ठाकुर के जो छोटे भाई हैं — हितेन्द्र, वे कांग्रेस की तरफ से चुनाव भी लड़े थे पिछली बार बम्बई से और चुनाव जीत भी गए थे । यह भी जानकारी है कि उन्होंने चुनाव जीतने के लिए वहां पर ऐसा आतंक का माहौल पैदा किया कि जनता दल का उम्मीदवार अपने पोलिंग एजेंट तक दे नहीं पाया और यह हितेन्द्र साहब क्या टाडा के तहत गिरफ्तार किए गए हैं या नहीं मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगी ?

इसके साथ ही साथ मैं यह भी जानना चाहूंगी कि क्या यह भी सच है कि बम्बई की पुलिस ने इस बम विस्फोट के सिलसिले में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य मंत्री के एक संबंधी श्री पारकर को गिरफ्तार किया है ? आर. डी. एक्स. तथा हथियारों को रखने तथा एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने में इनकी एक बहुत बड़ी भूमिका बताई जाती है ।

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं यह भी जानना चाहूंगी कि . . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Madam, please be brief. You have to seek only clarifications. You cannot make a speech here.

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI : I know that. I am not making a speech.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : You should seek only clarifications. You have to put pointed questions.

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI : I am seeking only claricatations. I am only giving facts.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Please confine yourself to seeking clarifications only. Please also be brief.

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI : I am trying to be brief.

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहती हूं गृह मंत्री जी से कि महाराष्ट्र लेजिस्लेटिव काउंसिल के एक पूर्व सदस्य जियाउद्दीन बुखारी की हाल ही में बम्बई में रहस्यमय ढंग से हत्या कर दी गई ? कहा जाता है कि बुखारी का संबंध दाउद से था तथा महाराष्ट्र के एक पूर्व मंत्री से भी उनका संबंध था और जिस मंत्री से उनका संबंध था, उन . . . **(व्यवधान)** . . .

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव (महाराष्ट्र) : यह महाराष्ट्र विधान सभा में एम. एल. सी. थीं ।

श्रीमती सरला महेश्वरी : मैंने एम. एल. सी. कहा । मैंने कहा कि एम. एल. सी. का पूर्व सदस्य । कहीं कोई कन्फ्यूजन हो रहा है तो मुझे नहीं मालूम आप ध्यान से सुनिए ।

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव : आप राजनीतिक इल्जाम मत कीजिए, यह क्रिमिनल बात है, वह क्रिमिनल तरीके से उठाइए ।

श्रीमती सरला महेश्वरी : क्रिमिनल कौन है या नहीं वह तो आपको डिसाइड करना है । उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहती हूं कि ये जो पकड़े गए, उनका संबंध महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री से बताया जाता है, सच्चाई क्या है गृह मंत्री महोदय से मैं जानना चाहूंगी ?

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV : Sir, she is making some charges against the Chief Minister. Actually, the Chief Minister is taking expeditious action in regard to the investigation into the explosions in Bombay. (*Interruptions*)

SHRI MD. SALIM (West Bengal) : Please allow her to seek clarifications (*Interruptions*) You cannot hold a brief for Maharashtra Congress here. What is this ?

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI : What is this, Sir ? He is not allowing me continue. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Mr. Jadhav, please sit down.

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव : मैडम, आप जो मुख्य मंत्री और मंत्री इन्वेस्टीगेशन कर रहे हैं और जो बातें हैं, सामने ला रहे हैं आप उन्हीं पर इल्जाम लगा रही हैं ।

श्रीमती सरला महेश्वरी : मैं कहां इल्जाम लगा रही हूं ? मेरा विनम्र निवेदन है कि मैंने महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री के ऊपर कोई इल्जाम नहीं लगाया . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Madam, I have been telling you that you have to seek only clarifications. You have also taken more time. I told you.

श्रीमती सरला महेश्वरी : उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह जानकारी चाहूंगी गृह मंत्री महोदय से कि श्री मदन बाफना के टेलीफोन से दाउद इब्राहिम को कई फोन किए गए, एक नहीं कई फोन किए गए, यह क्या सच है ?

इसके साथ ही मेरा अंतिम सवाल यह है कि क्या मंत्री महोदय इस बम विस्फोट की घटना को अयोध्या की घटना के साथ जोड़कर देखते हैं या नहीं ? क्यों मंत्री महोदय चुप हैं ?

इसके साथ ही मेरा यह अंतिम सवाल है कि मंत्री महोदय का जो यह बयान है यह बताता कम है और छुपाता ज्यादा है, कृपया इन स्पष्टीकरण का जब उत्तर दें तो आप ज्यादा बताएं, छुपाएं कम ।

[उपसभाध्यक्ष (सैयद सिब्ते रजी) पीठासीन हुए]

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव (महाराष्ट्र) : उपसभाध्यक्ष महोदय, जो बम्बई में बम ब्लास्ट की घटना घटी है, वह बहुत ही दुखद घटना है । उसके पीछे सारी अंतर्राष्ट्रीय टेररिस्ट एजेंसी और जैसा कि माननीय गृह मंत्री जी ने अपने ब्यान में कहा है दाउद इब्राहिम, उसके बाद मेमन फैमिली के टाइगर मेमन, इब्राहिम अब्दुल रजाक मग्न और अन्य स्मगलर भी उसके पीछे हैं इसका मतलब यह है कि हिंदुस्तान की जो मुख्य अर्थव्यवस्था है वह बंबई शहर पर निर्भर है और हमारी सरकार ने लिबरलाइजेशन की नीति अपनाने के बाद जो प्रगति की रफ्तार पकड़ी थी, उसमें बाधा डालने के लिए जिनका हमारे से कोई अच्छा ताल्लुक नहीं है और

कुछ स्मगलर्स, कुछ एंटी सोशल एलिमेंट्स हैं उन्होंने मिलकर बंबई को भस्म करने का प्लान बनाया था। मान्यवर, जैसा कि गृह मंत्री जी ने कहा कि पाकिस्तान में 12 लोगों को ट्रेनिंग दी गई है। यह उन्होंने अपने स्टेटमेंट में कहा है। पाकिस्तान हमेशा इस तरह के प्रयास करता रहा है चाहे बंबई का बम ब्लास्ट हो या जम्मू-कश्मीर में हो या पंजाब में हो। आज तक उनका यह रवैया रहा है कि हिन्दुस्तान की एकता को कैसे भंग किया जाए।

उपसभाध्यक्ष महोदय, 6 दिसम्बर को बी.जे.पी. ने अयोध्या में जो किया है, बाबरी मस्जिद गिराई है, तो जो किसी एक पार्टी के एंटी सोशल एलिमेंट्स थे उनको बढ़ावा मिला कि वे समाज में असुरक्षा कैसे पैदा करें और इसमें बी. जे. पी. का तो बहुत बड़ा क्रेडिट है। वे सारे देश को तोड़ना चाहते हैं। जहां एक तरफ हिंदुस्तान की जनता अमन चाहती है, सैक्यूलरिज्म चाहती है, सर्वधर्म समभाव चाहती है वहां ये लोग देश को तोड़ना चाहते हैं। हमारे देश के फाउंडिंग फादर्स महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरू ने देश को मजबूत तरीके से खड़ा किया है।

SHRI MD. SALIM : Is he seeking clarifications ?

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव : ये सब इसी से संबंधित है। आप जरा समझने का प्रयास कीजिए। आप तो राजनीतिक इलजाम लगाते हैं।

श्री महेश्वर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, ये क्लैरिफिकेशन मांग रहे हैं या अयोध्या पर भाषण दे रहे हैं ? आप तो अयोध्या प्रकरण पर भाषण दे रहे हैं . . . **(व्यवधान)**

SHRI MD. SALIM : This is beyond seeking clarifications. He is referring to the contributions made by Mahatma Gandhi and others. It is not seeking clarifications.

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव : जहां ये बम ब्लास्ट हुए हैं वहीं हमारे एम.एल.एज और एम. पीज की सोसायटी है जहां बहुत से एम. पीज रहते हैं—वली-शंकर एम. पाज हाउसिंग सासायटी। वहां के मकान बुरी तरह नष्ट हुए हैं। जहां पासपोर्ट का आफिस है, दो-तीन दिन के बाद मैं पासपोर्ट आफिस गया था। वहां कांच के टुकड़े रास्ते में गिरे हुए थे। बाजू में झोंपड़-पट्टी है। वह बरबाद हो गई। जब भी कोई ऐसी घटना घटती है तो आग पहले गरीबों को लगती है। इस तरह से गरीबों का बहुत सा नुकसान हुआ है और इसके पीछे दाउद इब्राहीम, शेख मैमन और पाकिस्तान सरकार की आज तक की जो नीति रही है उसका हाथ है।

मैं गृह मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि 2-3 फरवरी को रायगढ़ जिले में जो एक्सप्लोसिव और आर्म्स आए हैं समुद्र के रास्ते से, क्या उसके पहले भी कोई आर्म्स आए थे या 2-3 फरवरी के बाद ही आए। ये जो तस्करी चल रही है समुद्र के किनारे, यह बहुत दिनों से चल रही है। अभी हमारी लिब्-लाइजेशन की पालिसी की वजह से गोल्ड की स्मगलिंग बंद हो गई। लेकिन ड्रग ट्रैफिकिंग चल रही है। हिंदुस्तान के स्मगलर्स बहुत आश्वस्त हैं। वह चाहते हैं कि कुछ धूम-धड़ाका करें। मैं जानना चाहता हूं कि यह बंबई से एक्सप्लोसिव्ज 6 दिसंबर के पहले आए थे या 6 दिसंबर के बाद ही आए थे। उसके बाद एक समाचारपत्र में खबर छपी थी कि रायगढ़ डिस्ट्रिक्ट में संचार विभाग का एक केन्द्र है। वहां गवर्नमेंट की एक बिल्डिंग है। उसमें दो दिन तक एक्सप्लोसिव्ज छिपे रहे। पेपर में छपा था। वहां के जो इंचार्ज आफिसर हैं, वहां के अधिकारी हैं, उनके बारे में सरकार ने क्या एक्शन लिया ? अगर केन्द्रीय सरकार के संचार डिपार्टमेंट में तस्करों के माध्यम से कुछ स्मगलिंग होती है या एक्सप्लोसिव और आर्म्ज आते हैं और वहां छिपाए जाते हैं तो इस देश को भगवान ही बचाए। हालत बहुत खराब है। इसके बारे में मैं चाहता हूं कि गृह मंत्री जी डिटेल में बताएं। सरकार पाकिस्तान से इस बारे में क्या बात करने जा रही है। वैसे हमारी सरकार कई सालों से पाकिस्तान से नैगोशियेशन कर रही है। हमारे एक्सटर्नल अफेयर्स के मिनिस्टर जा रहे

है, उनसे चर्चा हो रही है मगर जब -जब चर्चा होती है, हिंदुस्तान में ज्यादा धमाके होते हैं। हम तो उधर कुछ करते नहीं हैं लेकिन पाकिस्तान की सरकार हमारे यहां उथल-पुथल मचा देती है। ये सब बातें हो रही हैं। तो सरकार क्या ठोस कदम उठा रही है पाकिस्तान के बारे में और क्या वह दूसरे देशों के साथ बात कर रही है कि पाकिस्तान के बारे में क्या किया जाए। आज तो कश्मीर में इतनी गंभीर हालत है कि कुछ लोग कहते हैं कि कश्मीर हमारे हाथ से जा रहा है। इस हालत में सरकार क्या करने जा रही है, यह मैं पूछना चाहता हूं . . . (व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आप भाषण के आखिर में यह पूछ लीजिए कि जो-जो बातें मैंने कही हैं वह सही है या नहीं, प्रश्न हो जाएगा।

श्री विट्ठलराव माधवराव आधव : इस समय यह जो स्टेटमेंट आया है, यह जो एक्सप्लोसिव हैं, इन पर आस्ट्रिया की फर्म की मोहर है, ऐसा स्टेटमेंट में कहा गया है। मैं यह जानना चाहता हूं कि जो भी एक्सप्लोसिव आए हैं स्मगल होकर हमारे देश में, उसके अलावा भी बहुत से शस्त्र छिपे होंगे बंबई में तो क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि इल्लीगल तरीके से शस्त्र के कितने कारखाने बंबई में चलते हैं। क्या सरकार को इस बात की भी जानकारी है कि आस्ट्रिया के अलावा और किन-किन देशों से ये शस्त्र और एक्सप्लोसिव्ज स्मगल होकर हमारे देश में आ रहे हैं। गृह मंत्री जी ने अपने आईटम नंबर 12 में यह कहा था कि—

"The Bombay Police has so far arrested 89 persons who are accomplices in the conspiracy, of whom 12 were trained in Pakistan."

अब पाकिस्तान में ट्रेनिंग के कैंप शुरू हो रहे हैं। वे लोग एक खास तरीके से इनको प्रशिक्षण दे रहे हैं। पहले भी उन्होंने पंजाब के टैरिस्टों को प्रशिक्षण दिया था। जब मैं उस इलाके में गया था तो उस समय उन्होंने कहा कि बार्डर के किनारे बहुत से कैंप चल रहे हैं और टैरिरिस्ट्स को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। तो मैं जानना चाहता हूं कि इस तरह का प्रशिक्षण पाकिस्तान में कहां-कहां दिया जा रहा है टैरिरिस्ट लोगों को ?

ये जो स्मगलर्स हैं, कुख्यात स्मगलर्स हैं, जो हमारे देश की सारी अर्थ व्यवस्था को, सामाजिक व्यवस्था को बरबाद करना चाहते हैं, उसके बारे में कोई जानकारी है तो सदन के सामने पेश करें।

श्रीमन्, सबसे महत्वपूर्ण चीज यह है कि मैंने एक खबर पढ़ी कि वाशिंगटन पोस्ट की कि सी.आइ.ए. ने भी लिखा है—

"The U.S. Government is seriously considering to name Pakistan as a terrorist country."

अगर पाकिस्तान के बारे में अमरीका सोच रहा है तो हमारे पास तो ऐसे सबूत मौजूद हैं, क्या हमारी सरकार उसके बारे में कुछ सोच रही है ? क्या हमारी संसद में, लोक सभा में और राज्य सभा में उसके बारे में कोई प्रस्ताव पारित करके सारी दुनिया को बताएंगे कि पाकिस्तान सरकार हमारे देश की सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था को बरबाद करने पर तुली हुई है। उसको हमारी सरकार टैरिरिस्ट स्टेट नाम करके, उसको लेबल करके सारी दुनिया को बताये और उसको जो मदद मिलती है विदेशों से उसको बंद करवाएं तो पाकिस्तान ठिकाने पर आ सकता है। उसके बारे में गृह मंत्री जी बताएं। वे यह तो कह सकते हैं कि एक्सटर्नल अफेयर्स मिनिस्ट्री का संबंध है, प्रधान मंत्री के लेवल पर इस बारे में बातचीत होनी चाहिए। लेकिन इसके बारे में कोई ठोस कदम उठाया जा रहा है या नहीं ? अगर ऐसा नहीं हुआ तो कल बंबई हुआ, पहले अयोध्या हुआ,—जैसे मैंने पहले कहा यह अल्फाबेटिकल आर्डर में हो रहा है—

First it happened in Ayodha, then it happened in Bombay and then it happened in Calcutta and now the plan is to destroy Delhi.

मगर सरकार बहुत जल्दी सावधान हो गई इसलिए दिल्ली बच गई । अगर देश को बचाना है तो हमें कुछ ठोस कदम उठाने पड़ेंगे। अगर फिर भी पाकिस्तान नहीं मानता है तो यह तैयारी होनी चाहिए कि पाकिस्तान के साथ दो-दो हाथ हो जाएं । जब तक ऐसा नहीं करेंगे पाकिस्तान सख्त कार्यवाही बंद नहीं करेगा । यही मैं आपसे और इस सदन से कहना चाहता हूं कि मंत्री जी इस पर गंभीरता से विचार करें ।

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa) : Mr. Vice-Chairman, I find it very serious. I will compensate for the time when we are on other issues. It is mentioned that the police officials and the customs officials who were involved, rather who abetted, might be arrested under TADA. TADA is for preventive arrest. May I know from the hon. Minister whether they are contemplating to book them under the Sedition Act ? Since they are Government servants I don't think they were only abetting smuggling. They were fighting a war through proxy. We know who are fighting through proxy against India. I want to know from the hon. Minister whether they will be booked under the Sedition Act.

The second point is that there are reports in my State of Goa that 15 days before the bombing in Bombay, the Memon family and their agents came to Goa and they purchased a big plot of land along the coast of Goa for the purpose of landing explosives and arms. There are also reports in the same newspapers that some Ministers were also involved in this land dealing. The Government was brave enough to demolish the illegal property of Memon family in Bombay and to confiscate their property also. I would like to know from the hon. Minister whether they are investigating in Goa also this angle.

It is mentioned in the statement by the hon. Minister that these people who triggered the bombs in Bombay were trained at a training camp very close to Islamabad. I would like to know whether the Government of India is sitting quiet or whether they are contemplating some action. If I may recall, Israel had warned Iraq. They were contemplating to use the nuclear facilities in Iraq against Israel. So, I would like to know from the hon. Minister whether we are taking some steps to eliminate the training centres because the training centres are directed against us. These points I would like to know from the hon. Minister.

SHRI V. NARAYANASAMY : Mr. Vice-Chairman, Sir, the statement by the hon. Minister is self-explanatory and it is a convincing one. I would like to seek some clarifications about the recent developments. It is a known fact that the Bombay bomb blasts were the brain-work of international conspirators who had been supported by Pakistan. The hon. Minister has dealt with Pakistan's involvement in great detail. The Home Minister went to the extent of saying, "while an effort appears to have been made to obliterate the inscriptions on these cartons, a close examination shows Lahore markings. The recovered grenades bear the markings 'ARGES'." Therefore, it is clear that the arms and ammunition were supplied to the Memon family by the Pakistan administration and they were also trained by the Pakistan administration. The hon. Prime Minister went to the SAARC meeting in Dhaka. At that time the hon. Prime Minister met Mr. Nawas Sharif, the former Prime Minister of Pakistan. It appeared in the newspapers that our Prime Minister had made it categorically clear to the then Prime Minister of Pakistan that the Memon brothers who were hiding in Pakistan should be handed over to our country. The Government of India is also, it seems, getting in touch with Pakistan to get back or to get on extradition these Memon brothers who are the persons who are directly involved in this heinous crime. I would like to know from the hon. Minister what the response of the Pakistan Government, the present administration, is. Now there is President's rule in Pakistan. I would like to know whether there is any change of attitude in Pakistan when there is President's rule. I would also like to know whether they are trying to shield these culprits in Pakistan or not.

Then there are three important aspects which appeared in the newspapers and everybody new about them. The ships carrying lethal weapons were moving in the Bombay coast. Some of these ships have been unloaded at the Bombay coastal area for the purpose of terrorising the people living in Bombay and for supplying weapons to the terrorist outfits in the country. The hon. Minister has got the intelligence with him. I would like to know whether this has been taken serious note of. What preventive measures have the Government taken on this aspect? Have these ships been seized by the Government or not? Then some people, especially the Memon brothers, fled India to Dubai and from there they sneaked into Pakistan with the connivance of various officials and other people. Specifically, one news item appeared in the Press that the Memon brothers were in Dubai and they were trying to sneak into Pakistan and the Government should take all possible steps to get them back from Dubai which is a very friendly country. Why has the Government of India failed to get those people from Dubai at the initial stage itself when the specific information was available to the Government to the effect that the Memon brothers have been hiding in Dubai and were trying to sneak into Pakistan? The information about Dawood Ibrahim is that he is still in Dubai. What steps has the Government of India taken to bring Dawood Ibrahim to India who is the brain behind all these blasts?

Sir, the attitude of Pakistan is condemnable. The USA is collecting evidence to declare that Pakistan is a terrorist country. Our Government also has given a lot of information and evidence to Pakistan Government that they are interfering in the internal affairs of our country. Sir, Pakistani leaders are trying to destabilise our country for the purpose of political survival. It is a very solid fact. As far as these bomb blasts are concerned, I have my reservations on this. I told the Home Minister also when I sought clarifications last time that this is an international conspiracy. The conspirators are from various countries. The Bombay police is investigating into the matter and they are collecting evidence and also arresting people. Sir, I have not even an iota of doubt about the Bombay police. I respect their credentials. They are competent enough to investigate the matter. But the thing is that it involves various Governments, various international organisations and various agencies. The Government of India is involving various international agencies, the RAW and various other international organisations for the purpose of collecting information. Sir, the CBI is the right authority for the purpose of collecting evidence and also punishing the persons who are guilty. I don't know why the Government of Maharashtra is having reservations on it. Therefore, I would like to submit to the hon. Minister that this case should be investigated by the CBI. The Bombay police officials are not less competent than the CBI officials. I agree with that. The thing is, it has got wider ramifications with the involvement of international agencies, international organisations and also various Governments of the world. I want that this matter may be referred to the CBI.

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, जो भी बम्बई में हुआ, बड़ा दर्दनाक प्रसंग हुआ और पूरा देश उससे हिल गया है। मैं गृह मंत्री जी से दो-चार सवाल पूछना चाहता हूं। पहली बात तो मैं यह जानना चाहूंगा कि आतंकवादियों ने आखिर गृह मंत्री के राज्य को ही क्यों चुना? क्या यह बात तो नहीं थी कि आतंकवादी इस तरह की घटनाओं से उत्पात मचाकर पूरे देश की अर्थव्यवस्था को विधि व्यवस्था को चौपट करना चाहते थे, औद्योगिक क्षेत्रों पर प्रहार करना चाहते थे? वे देश के गृह मंत्री को भी क्या डिमोरेलाइज करना चाहते थे क्योंकि देश के गृह मंत्री के ऊपर देश की सुरक्षा व्यवस्था का भार है। यह पहला सवाल है। दूसरा सवाल यह है कि जब यह साबित हो गया—आपने अपने स्टेटमेंट में कहा है और मैं बहुत प्रसन्न हूं आपके इस स्टेटमेंट से, सचमुच बहुत प्रसन्न हूं, मुझे नहीं लगता है कि कोई बात छिपायी गयी है और सरकार ने बहुत ही कायदे से अपनी बात रखी है और वाकई स्वीकार किया है, यह दूसरी बात है

कि इन बातों को स्वीकार करने के बाद और इसमें फंस गए हैं, खैर यह तो आपकी बात है। जब आपने साफ स्वीकार किया है कि पाकिस्तान का इसमें हाथ है और पाकिस्तान में लोग ट्रेन्ड किए गए थे और पाकिस्तान से उनको शह और मदद मिल रही थी तो फिर आपके ही एक मित्र ने कहा, फिर उनकी बात को मानकर क्यों नहीं चलते। उनकी बात को दोहराना नहीं चाहता हूं लेकिन आप जानते हैं तो पाकिस्तान से इस बारे में सफाई मांगनी चाहिए जिससे कि भविष्य में इस तरह की बात न हो। मैं जाधव जी के शब्दों को नहीं दोहराउंगा कि दो-दो हाथ हो जाना चाहिए। *यह आप दोनों की मिलीभगत है*... (व्यवधान)

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : मैंने यह नहीं कहा ... (व्यवधान) मैंने कहा कि तैयारी होनी चाहिए ...

श्री शंकर दयाल सिंह : आपने कहा कि दो-दो हाथ हो जाने चाहिएं... (व्यवधान) तो दो-दो हाथ, पहले आप आपस में कर लें हमको कोई ऐतराज नहीं है। मैं चाहूंगा कि पड़ोसियों के साथ हमारे अच्छे संबंध हों लेकिन जो... (व्यवधान)

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव :

I strongly object to this statement.

आपस में बात करने की बात क्या है। यह तो पाकिस्तान की बात चल रही है। क्या आप आपस में हाथ तुड़वाना चाहते हैं... (व्यवधान) शंकर दयाल सिंह जी आप सीनियर आदमी हैं आपको ऐसी बात नहीं करनी चाहिए... (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : आपस में दो-दो हाथ करने की बात नहीं करनी चाहिए.. (व्यवधान)

कुमारी सरोज खापर्डे (महाराष्ट्र) : मुझे शंकर दयाल सिंह जी की बात सुनकर बड़ी हैरानी हो रही है और हैरानी के साथ मैं यह कहना चाहूंगी आपसे कि क्या आप अपने द्वारा यह कहकर गृह मंत्री जी और माननीय सदस्य में कहीं लड़ाई लड़ने वाली बात तो नहीं कर रहे हैं। आपका अगर यह प्रयास हो तो यह प्रयास ठीक नहीं है क्योंकि ये दोनों एक जगह के रहने वाले हैं। वे हमारे आदरणीय होम मिनिस्टर हैं और ये हमारे राज्यसभा के मेम्बर हैं। मैं अपने स्टेट की मेम्बर हूं। हम लोग उनको हमेशा आदरणीय जैसा मानते आ रहे हैं। इसलिए कम से कम पाकिस्तान के साथ लड़ाई की बात करते-करते कहीं इन दोनों की लड़ाई नान्देड़ में आप मत करा दीजिएगा। यही आपसे मेरा अनुरोध है।

(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री सैयद सिब्ते रजी) : वह लड़ाई हो कैसे सकती है। आप बीच में हैं। लड़ाई होगी नहीं।

श्री शंकर दयाल सिंह : उपसभाध्यक्ष जी, दो पुरुषों में जब एक महिला खड़ी हो गयीं तो मैं इस बात को नहीं बढ़ाना चाहता हूं...

(व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : You ask pointed questions. We are short of time.

श्री शंकर दयाल सिंह : लेकिन इतना जरूर कहना चाहूंगा कि कभी मैं भी सत्ताधारी दल में बैठ चुका हूं और मैं जानता हूं कि जब सत्ताधारी दल का कोई सदस्य अपने मंत्री से सवाल, स्पष्टीकरण या क्लैरीफिकेशन पूछता है तो वह मिलीभगत रहती है। मंत्री उसको इशारे से यह कह देगा कि आप यह पूछिएगा और सदस्य... (व्यवधान) मंत्री को जो है...

(व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आप अपनी पार्टी के बारे में कह सकते हैं, कांग्रेस के बारे में नहीं कह सकते हैं। कांग्रेस में तो इतने झगड़े हैं कि सुलझ नहीं पा रहे हैं और आप कह रहे हैं कि मिलीभगत है.. (व्यवधान) आपस में लड़ाई ज्यादा है मिलीभगत नहीं है... (व्यवधान)

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : शंकरराव चव्हाण जी ऐसे मंत्री हैं कि वे कभी किसी को इशारा नहीं करते हैं कि यह कहिए । इनका वह चरित्र नहीं है । वह आपके मंत्री जरूर कहते होंगे . . . **(व्यवधान)**

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : . . . **(व्यवधान)** आपस में मिलीभगत की नहीं लड़ाई की ज्यादा है . . . **(व्यवधान)**

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : मैं जानता हूं कि मंत्री का यह इशारा रहता है कि आप यह पूछिएगा और सदस्य भी कभी-कभी मंत्री जी के कान में कह देते हैं कि आप यह जवाब दीजिएगा . . . **(व्यवधान)** लेकिन मैं जो पूछ रहा हूं . . . **(व्यवधान)** यह पहला सवाल हमने पूछा है । दूसरी बात यह बतायें कि अब तक जो लोग अरेस्ट हुए हैं इनके अलावा कितने लोग ऐसे हैं जो इन हादसों में शामिल थे या ऐसा अनुमान किया गया है या जिनकी सूची बनायी गयी है और आपको लगता है कि इनमें से सभी हैं या बहुत से लोग देश से बाहर चले गए हैं। दूसरा सवाल है । तीसरा सवाल—मैं यह जानना चाहूंगा कि यह जो बयान आपने अपना दिया है, जो मैंने सवेरे भी कहा था कि वह एक तिलस्मी, या जासूसी उपन्यास के अच्छे चैप्टर की तरह दिया है ।

तो मैं माननीय गृह मंत्री जी आपसे जानना चाहता हूं कि आप लोगों को इस बात की जानकारी थी कि ऐसे अपराधकर्मी, तस्करी वृत्ति के लोग बम्बई जैसे महानगर में हैं और जिनकी सूची भी वहां पुलिस के पास है चाहे दाऊद इब्राहीम के गैंग के लोग रहे हों या दूसरे गैंग के लोग रहे हों, या मेमन बंधु रहे हों. मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या आप इस आशा में बैठे हुए थे कि यह हम विस्फोट करेंगे, हमारी औद्योगिक नगरी को चौपट करने पर तलेंगे, हमारी अर्थ नीति पर हमला करेंगे, देश की शांति को खतरा करेंगे, तब हम इनके खिलाफ कदम उठायेंगे। क्यों नहीं सरकार ने पहले कदम उठाये ?

अगली बात मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि मेमन बंधु जो पाकिस्तान पहुंच गये दुबई होते हुए, क्या उनके पहुंचाने में हमारे भारतीयों में से किसी अधिकारी, पदाधिकारी का भी हाथ है ? यह मैं इसलिए कह रहा हूं कि 12 मार्च को यह हादसा हुआ है और मेमन बंधु भी 12 मार्च को ही वहां से उड़े, उसी दिन, और तेरह जगहों में यह बड़े हादसे हुए ।

अब मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि इतने बड़े हादसे और इन हादसों में जिसका हाथ हो, वह भाग जाए और दुबई होकर पाकिस्तान पहुंच जाए, यहां तक तो मैं समझ गया, लेकिन क्या आपने पाकिस्तान सरकार को यह अल्टीमेटम दिया है कि जो हमारा सब से मुख्य अपराधी है, वह आपके यहां छिपा है या आपने उसे छिपा कर रखा है । आप फलां तारीख तक उसे हमें वापिस कर दीजिए और नहीं तो हमारे-आपके संबंध जो हैं, कटु से भी कटु हो जायेंगे । हो सकता है कि हमें मजबूर होकर आपके साथ राजनयिक संबंध बिल्कुल समाप्त करने पड़ें । मैं चाहता हूं कि इस तरह की बात होनी चाहिए ।

अगली बात आप जरा हमको यह बता दें—बहुत से लोग कहते हैं कि हिंदुओं का नाम था, बहुत से लोग कहते हैं कि मुसलमानों का था । मैं मानता हूं कि यह हिंदू और मुसलमान का प्रश्न नहीं है, यह शैतान का प्रश्न है । उपसभाध्यक्ष जी, इसमें चाहे कोई भी हो, हम लोगों को इसमें जाति धर्म, मजहब और राजनीति को तो लाना ही नहीं चाहिए, हालांकि यह साबित हो गया है कि इन तस्करों का संबंध वहां के राजनीति दल के खास लोगों के साथ है । यह कहां आया है, पर मैं उस विषय में नहीं जाना चाहता हूं कई भाईयों ने उसे उसके तकनीक छोड़ी । लेकिन मैं इतना कहना चाहता हूं कि क्या आपको ऐसा नहीं लगता है कि यह हादसे फिर हो सकते हैं, या आप समझते हैं कि आपने इस पर कंट्रोल कर लिया है । (समय की घंटी) एक मैं इसलिए कह रहा हूं कि एक तो जो भूतकाल की बातें

होती है, वह हो गई, दूसरे जो वर्तमान में घटती है, और तीसरे जो सब से बड़ी आशंका है, वह भविष्य के गर्भ में है । तो क्या कंप्लीट इन अपराधकर्मियों से, जैसे मुझे खुशी है कि आपने पंजाब में चुनाव करवाये, पंजाब इस समय शांति के कगार पर है और पंजाब के मुख्य मंत्री ने कड़ाई से—मैं बधाई देना चाहता हूं कि उस आदमी ने पंजाब को रास्ते पर ला दिया ।

तो क्या आप उस कड़ाई से नहीं ला सकते हैं, क्या उन तस्करों के गिरोह को समाप्त नहीं कर सकते हैं ? क्या तस्कर वहां सरकार से और महाराष्ट्र सरकार से बढ़ कर है ? यह मैं इसलिए कह रहा हूं कि आपका प्रांत, चव्हाण साहब, पूरा देश राष्ट्र कहलाता है और जो आपका प्रांत महाराष्ट्र कहलाता है, वह राष्ट्र से भी बढ़ कर है । जब उस महाराष्ट्र पर खतरा बढ़ गया, तो पूरे देश पर खतरा बढ़ गया । यह केवल बम्बई में ही धमाका नहीं हुआ है, यह धमाका पूरे देश में हुआ है ।

इसलिए, उपसभाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री महोदय जी को यह कहना चाहता हूं कि वह जवाब तो बहुत बढ़िया दे ही देते हैं । चव्हाण साहब का जवाब लाजवाब होता है, किसी भी विषय पर बढ़िया होता है और बड़े शांत भाव से बिना गर्म हुए, बिना ठंडा हुए, पता ही नहीं चलता है कि गर्म है कि ठंडा है, हम लोग भले ही गर्म हो जायें, ऐसे जवाब देते हैं।

मैं आपसे बड़े ही अनुरोध के साथ कहना चाहता हूं कि देखिये जो बम्बई में और कलकत्ते में बम विस्फोट हुए पूरा देश इससे हिल गया और पूरे देश को लगा कि जैसे हम सुरक्षित नहीं हैं । तो क्या आप आश्वस्त हैं और क्या आप पूरे राष्ट्र को आज आश्वासन देने की स्थिति में हैं कि अब इस तरह की घटनाएं नहीं होंगी ? मैं चाहता हूं कि जो ये तीन-चार बातें मैंने आपके सामने रखी हैं उनका उत्तर स्पष्ट शब्दों में दिया जाए। धन्यवाद ।

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : As we are short of time, I would request the Members to put pointed queries only. Now, Dr. Sivaji.

DR. YELAMANCHILI SIVAJI (Andhra Pradesh) : Sir, this is a very serious matter and it is very unfortunate that such incidents are repeated throughout the country and the entire country seems to be an armoury of the terrorists who are getting connected to their counterparts in other parts of the country as well as outside.

Sir, with the introduction of the container service in several parts of the country including Guntur, there is a new thing. Consignments come under one label, but the goods are entirely different ! It is because of the activities of the smugglers. Even some politicians were found guilty in small places like Guntur. I do not like to name persons. But, at the same time, let us rise to the occasion. All the people cutting across party lines should join together. Let the Prime Minister and the Home Minister take courage in their hands and evolve certain guidelines to keep away from such activities and keep a respectable distance from those who are involved in such activities.

Time and again it has been mentioned that Israel is having special expertise in dealing with terrorists. You should take the assistance of Israel in containing terrorism in this country. It has also been said that Dawood Ibrahim was running a private airline here. It is high time we stopped it and the private airlines should be closed down once and for all because private airlines being operated by such persons may give rise to many a problem and I hope that the Government will take care. Thank you.

श्री मूलचन्द मीणा (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदय, बम्बई में बम विस्फोट की दुनिया में सब से बड़ी घटना है । एक ही समय में दस जगह बम फटे हैं । 13 जगह बम रखे थे और 10 जगह बम फटे हैं । बम्बई की पुलिस की कितनी लापरवाही थी? आज सुबह बम विस्फोट के ऊपर काफी चर्चा

हुई, लेकिन मुझे यह जानकर बड़ा दुख हुआ कि इस सदन के कुछ सदस्य उस पुलिस का सपोर्ट कर रहे हैं। बम्बई पिछले दिनों में साम्प्रदायिक दंगे के अंदर जलता रहा, पुलिस उस पर कंट्रोल कर नहीं सकी, एक हजार से अधिक आदमी दंगे में मारे गए। सेना ने जाकर कंट्रोल किया। बम्बई में 13 जगह बम रख दिए जाएं। विस्फोटक पदार्थ बम्बई के अंदर आ जाए। इस प्रकार की इत्तलाह बम्बई की पुलिस को नहीं मिली। उसके बावजूद भी इस घटना की जांच बम्बई की पुलिस से की जा रही है। मैं पहले तो मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहूंगा कि आप सी.बी.आई. से इसकी जांच क्यों नहीं करवा रहे हैं, जिससे पूर्णत: सब कुछ सामने आ सके? साथ ही मंत्री जी से यह भी पूछना चाहूंगा कि बंबई के अंदर हुए बम विस्फोट की घटना की जो प्रतिक्रिया हुई, वह किस साजिश के द्वारा रची गयी? क्या वह सांप्रदायिक दंगा भड़काने के लिए रची गयी या बंबई के अंदर सांप्रदायिक अशांति पैदा करने के लिए रची गयी? मैं यह भी पूछना चाहूंगा कि बंबई के साथ-साथ क्या बम विस्फोट की घटना अन्य महानगरों के अंदर भी एक साथ घटित करने का कोई प्लान बनाया गया था कि सारे देश के अंदर बड़े-बड़े शहरों में एक साथ बम विस्फोट कर के देश के माहौल को अशांत बना दिया जाए, क्या यह उनका प्लान था? क्या 10 मार्च की शाम को माहिम के अंदर टायगर मेनन के घर पर 12 मार्च को बम विस्फोट करने के कार्यक्रम के संबंध में कोई बैठक हुई थी और वहां इन 13 स्थानों में बम लगाने का काम करने के लिए क्या दो ग्रुप बनाए गए थे? उसमें एक ग्रुप का काम था कि माहिम के अंदर जहां मछुआरे रहते हैं या कुछ राजनीतिक नेताओं के एरिये में बम ब्लास्ट करने का, लेकिन वे तीन बम ब्लास्ट नहीं हो सके। साथ ही मैं यह भी जानना चाहूंगा कि क्या जावेद दाउद टेलर, इब्राहिम रज्जाक और अनवर हाजी बैठा ने दुबई के जरिए 20 युवकों को प्रशिक्षण के लिए पाकिस्तान भेजने के वास्ते भर्ती किया और क्या वह एक दंगा पीड़ित एरिए से लिए गए जिनमें से 10 युवकों को पकड़ लिया गया? बाकी के 10 युवकों का क्या हुआ? क्या वे आज भी बंबई के अंदर रह रहे हैं? मैं मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या टाडा एक ए.के. 56 रायफल रखने पर ही लागू होता है जबकि इस देश के अंदर दो-तीन हजार आदमियों को सांप्रदायिक दंगा फैलाकर और मौत के घाट जो लोग उतार देते हैं, उन सांप्रदायिक लोगों के खिलाफ क्यों नहीं टाडा आपने लगाया?

उपसभाध्यक्ष (सैयद सिब्ते रजी) : श्री यशवन्त सिन्हा अनुपस्थित। श्री जगदीश प्रसाद माथुर।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : श्रीमान् यह लंबा-चौड़ा बयान है, लेकिन इसमें बहुत-सी बातें आपने नहीं कही हैं। आर.डी.एक्स, बहुत बड़ा विस्फोटक पदार्थ कहा जाता है। उसके बोरे-के-बोरे समुद्र में पकड़े गए, ठाणे में पकड़े गए। उसका आपने इसमें उल्लेख नहीं किया है? उनकी स्थिति क्या है, वह कैसे आया, इसका भी वर्णन हमको बताने की कृपा करें।

दूसरे, उधर के पक्ष के लोगों ने भी कहा है कि सी. बी. आई. से आप जांच क्यों नहीं करवा रहे हैं? इससे साफ लगता है कि इसके दो कारण हो सकते हैं नंबर-1 यह कि आप इस जांच को बंबई तक सीमित रखना चाहते हैं। लेकिन क्या गृह मंत्रालय का यह फैसला हो गया है, वह इस फैसले पर पहुंच गए हैं कि बंबई की घटना केवल बंबई के विस्फोट तक सीमित थी या उसके फैलाव की जड़ें बंबई में और बंबई से बाहर भी थीं, जैसे कि कलकत्ता में विस्फोट हुआ और जगह-जगह दूसरे शहरों में भी विस्फोट हुए हैं, बम पकड़े जा रहे हैं, जखीरे पकड़े जा रहे हैं, आर.डी.एक्स. के भी कुछ थैले इधर-उधर पकड़े गए हैं, तो क्या आप यह मानकर चल रहे हैं कि जो घटना हुई उसकी जड़ें केवल बंबई तक हैं? मैं ऐसा नहीं मानता कि इसकी जड़ें केवल बंबई तक ही हैं। बंबई केवल एक पहली स्टेज थी उनके एक षड्यंत्र के एक्सपैरीमेंट की जिसको कि वे देश में और जगह-जगह फैलाना चाहते थे।

इसलिए आपको सी. बी. आई. की जांच करवाना अत्यन्त आवश्यक है । इसके साथ ही, बम्बई की पुलिस पर मैं दोष नहीं डालना चाहता, लेकिन बंबई की पुलिस वह काम दूसरे प्रदेशों में जाकर नहीं कर सकती ।

महोदय, इसमें पोलिटिकल कनेक्शन भी है । यह मैं नहीं कह रहा हूं, राजनीतिक जैसे दो पकड़े गए हैं, एम. एल. ए. पकड़े गए हैं या लोगों का कहना है कि कलकत्ता में जो विस्फोट हुआ उसमें कुछ सी. पी. एम. के लोगों के उन लोगों से संबंध हैं, मगर मेरा कहना यह नहीं है कि राजनीतिक नेताओं ने यह कराया है, ऐसा मैं नहीं कह रहा हूं, लेकिन इन तत्वों से पोलिटिकल संबंध जरूर हैं । जरूर है संबंध । इन पोलिटिकल तत्वों तक पहुंचने के लिए और कम से कम आगे वह संबंध न रखें, इसलिए यह जरूरी है कि बंबई पुलिस के अलावा सी. बी. आई. इसकी जांच करे और उसकी चार्जशीट बनाई जाए । यह आवश्यक है ।

फिर इसमें यह संदेह होता है कि इसे बंबई की पुलिस के अधीन न रखकर राजनीतिक कुछ इसके अंदर हस्तक्षेप है । दूर से, कहीं न कहीं, विस्फोट में शामिल नहीं होंगे, लेकिन स्मगलिंग में तो हिस्सा है । कलकत्ता में सी. पी. एम. के लोगों की दोस्ती विस्फोट में तो नहीं होगी, लेकिन पैसे के लेनदेन में स्मगलिंग में तो है । ....(व्यवधान)

श्री मोहम्मद सलीम : सी. पी. आई. के ऊपर इनको बैठा दीजिए । ....(व्यवधान)

شری محمد سلیم : سی۔ پی۔ آئی کے اوپر ان کو بٹھا دیجئے ... "مداخلت" ...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैं सिर्फ इतना कहूंगा इस विषय में, कि आप ईमानदारी से सी. बी. आई. की जांच करवा लीजिए और जो आपके गृह मंत्रालय की रिपोर्ट है वह देख लीजिए । और कुछ नहीं, ईमानदारी से जो आपकी केन्द्र की रिपोर्ट है, जो हवाई जहाज से लंदन जाने का रिकार्ड है, वह देख लीजिए ।

उपसभाध्यक्ष महोदय, तीसरे यह कहूंगा कि मैं इसे दंगे का केवल एक सांप्रदायिक रूप नहीं मानता, साम्प्रदायिकता बढ़ाकर आगे बढ़ाना चाहते थे । आपके स्टेटमेंट में और आज जो प्रश्नकाल के अंदर उत्तर दिए गए, उसमें एक थोड़ा सा अन्तर है । आज सुबह आपने कहा कि पहली खेप जो है इस प्रकार की 3 दिसंबर को आ गई थी, जो 6 दिसंबर से तीन दिन पहले होती है । ....(व्यवधान)....

श्री मोहम्मद सलीम : 3 को वहां से आया और 6 को यहां यह हुआ । इसमें कोई लिंक तो नहीं है ? देश को डिस्टेबलाइज करने जा रही थीं जो ताकत, चाहे देश में हो या विदेश में हो, यह इस बात का इशारा करती है, जो एक तरफ कारसेवक जा रहे थे और 3 तारीख को वहां उतारा जा रहा था ....(व्यवधान)....

شری محمد سلیم : ۳ کو وہاں سے آیا اور ۶ کو یہ ہوا۔ اس میں کوئی لنک تو نہیں ہے دیش کو ڈسٹیبلائز کرنے جا رہی تھیں جو طاقت چاہے دیش میں ہو یا دیش میں ہو یہ اس بات کا اشارہ کرتی ہے جو ایک طرف کار سیوک جا رہے تھے اور ۳ تاریخ کو یہاں اتارا جا رہا تھا... "مداخلت" ...

† [ ] Transliteration in Arabic script.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आप ठीक कह रहे हैं कि पाकिस्तान के लोग यह कर रहे थे कि 3 का यहां करते और 6 को वहां तोड़ते मस्जिद । यह बात हो सकती है । मुझे दुख है कि सी.पी.एम. के और सी. पी. आई. के लोग आज सबसे बड़े पाकिस्तान के संरक्षक बने हुए हैं हिन्दुस्तान भर में और यहां सदन में भी । . . . . .

(व्यवधान) . . . .

श्री मोहम्मद सलीम : यह कहां से कह रहे हैं आप ? कैसे आपने मान लिया ? पाकिस्तान में जाकर के आपके लोग, जम्मू-कश्मीर में जो लोग हैं, वहां जाकर गड़बड़ कर रहे हैं । आजाद कश्मीर में वहां जाकर आपके लोग गड़बड़ कर रहे हैं । यह कहां से मालूम हुआ आपको, कि सी. पी. एम. और सी. पी. आई. के पाकिस्तान से ताल्लुक हैं । . . . . .

(व्यवधान) . . . . इस तरह के गलत इलजाम नहीं लग सकते आप। . . .

(व्यवधान) . . . .

†شری محمد سلیم : یہ کہاں سے کہہ رہے ہیں آپ۔ کیسے آپ نے مان لیا۔ پاکستان میں جاکر کے آپ کے لوگ۔ جموں کشمیر میں جو لوگ ہیں وہاں جاکر کے گڑبڑ کر رہے ہیں آزاد کشمیر میں وہاں جاکر آپ کے لوگ گڑبڑ کر رہے ہیں۔ یہ کہاں سے معلوم ہوا آپ کو کہ سی۔ پی۔ ایم اور سی۔ پی۔ آئی کے پاکستان سے تعلق ہیں۔۔۔ مداخلت۔۔۔ اس طرح کے غلط الزام نہیں لگا سکتے آپ۔۔

۔۔۔ مداخلت۔۔۔

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Let the Member make his point. Don't interrupt him.

† [ ] Transliteration in Arabic script.

SHRI MD. SALIM :....

इस तरह के गलत इलजाम नहीं लग सकते। **(व्यवधान)** . . . .

We know who are these people who are supporting these activities in Afghanistan. BJP has linked with terrorists in Arghansitan. They have links be it in Pakistan or in Afghanistan or in Jammu and Kashmir.. ...

श्री विष्णुकान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश) : सी. पी. एम. के लोगों के संबंध थे रशीद भाई के साथ । . . . .

(व्यवधान) . . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Please take your seat. Mr. Mathur, please come to the pointed questions.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैं कुछ नहीं कहता, केवल इस सदन में जब-जब इस सवाल पर बहस हुई है, उसका रिकार्ड देख लीजिए कि हमारे सी. पी. एम. और सी. पी. आई. के लोगों ने पाकिस्तान की कैसे रक्षा की है । वह इसका सबूत है ।

(व्यवधान) . . . .

उपसभाध्यक्ष (सैयद सिब्ते रजी) : माथुर साहब, अब आप सवाल कर लें ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : सवाल तो कर ही रहा हूं ।

उपसभाध्यक्ष (सैयद सिब्ते रजी) : हां, जल्दी से करें ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : जल्दी से करें और यह लोग तकलीफ फरमाते रहें, अयोध्या के बारे में क्या-क्या बोलते रहे ।

उपसभाध्यक्ष (सैयद सिब्ते रजी) : आप उनकी चिन्ता न करें, आप सवाल करें ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : सवाल कर रहा हूं । इसलिए सी. बी. आई. की इन्क्वायरी करवाना अत्यन्त आवश्यक है ।

यह कहना कि महाराष्ट्र सरकार नहीं मानती, यह किसी के गले नहीं उतरेगा क्योंकि कांग्रेस सरकार यहां है, यहां पर आपके रक्षा मंत्री थे आज वहां के मुख्य-मंत्री और वह नहीं मानते । क्या है यह तमाशा ?यह तो आप नहीं कराना चाहते ।

पवार साहब के ऊपर या वहां की सरकार के ऊपर यह इल्जाम लगाना कि वे राजी नहीं हैं, यह बी. जे. पी. की कल्याण सिंह की सरकार तो है नहीं कि आपकी बात न माने, अगर प्रधान मंत्री या गृह मंत्री कहें कि हमको कराना है केन दे रिफ्यूज ? तो यह केवल टाल-मटोल की बात है ।

दूसरे इसमें लेंडिंग एजेंट्स का नाम लिया गया है । तो लेंडिंग एजेंट्स के दो माने हो सकते हैं । एक तो यह है कि जो रिकग्नाइज्ड धंधा करते हैं, वह है, और एक केवल एजेंट कह दिया, तो वह समझ नहीं आता । मैं समझता हूं कि लेंडिंग एजेंट का मतलब यह है कि बाकायदा माल उतारने आदि के लिए जिनकी कम्पनी थी, वह है । तो मैं यह पूछना चाहता हूं कि यह कम्पनी जिन्होंने उतारे हैं, इसमें नाम दिए हुए हैं पढ़ने की आवश्यकता नहीं है, क्या यह एजेंट बाकायदा काम कर रहे थे ? कर रहे थे तो कितने दिन से कर रहे थे ? क्या इनके रिकार्ड को बाकायदा देखा गया या नहीं देखा गया कि यह तस्करी का काम करते थे या नहीं करते थे ? तस्करी के माल को लाने या ले जाने में सब जानते हैं कि पुलिस का हाथ होता है या एनफारस्मेंट ब्रांच की लोगों का हाथ होता है । तो उनमें से पुलिस वालों को या एनफारस्मेंट ब्रांच के लोगों को, जिनको पकड़ा गया है, उनमें से किसी पर हाथ डाला गया है या नहीं डाला गया है ?

एक बात और कहकर मैं समाप्त करूंगा। पाकिस्तान की सरकार से बात की जा रही है, ऐसा कहा गया है । पाकिस्तान में परिवर्तन हो गया है, अब आप किससे बात कर रहे हैं ?वहां के जो सेनापति हैं, उनसे बात कर रहे हैं या जो वहां के राष्ट्रपति हैं उनसे बात कर रहे हैं या आई. एस. आई. से आप बात कर रहे हैं ? किससे आप बात कर रहे हैं यह भी जरा स्पष्ट कर दें कि आज पाकिस्तान से आप कुछ पत्राचार या लेन-देन कर रहे हैं तो किससे कर रहे हैं, इस बात को भी जरा स्पष्ट कर दें ?

SHRI G. G. SWELL (Meghalaya) : Mr. Vice-Chairman, Sir, I will be very brief. The statement which the hon. Home Minister laid on the Table of the House yesterday was exactly the same that he made in the Lok Sabha a few days ago. Many things would have taken place in between. There would have been further progress in the investigation. Therefore, I would like him to give the update and tell us whether anything more has happened after he made the statement in the Lok Sabha last week.

My second point is, reports say that about 4,000 kg of RDX explosives has been landed in India. Out of this, only 2,000 kg. has been recovered, which means, 50 per cent of it is still in the country. Similar explosions may take place in other parts of the country; not necessarily in Bombay. Therefore, I would like to know, what is the Government doing in order to recover the rest of the explosives that is supposed to have landed in the country.

Thirdly, there is a case for entrusting this to the C.B.I. Here, I agree with my friends who said that some kind of a Central agency is necessary to trace these explosives which may not be in Bombay or in the rest of Maharashtra alone, but may be in other parts of the country. This is where I think there is a case for entrusting this to the C.B.I.

Then, the statement talks about Tiger or Mustaq Memon and others. But the hon. Minister has also said in his statement that a man who sent these explosives to India in his own speed-boat was Dawood Ibrahim, in Dubai. Now, the report about Dawood Ibrahim is, -- I would like the hon. Minister to either confirm or deny it – he has fled Dubai. Is it true that he has fled Dubai ? Where is he supposed to

be now ? On the other hand, if he is still in Dubai, why can't you get him to India ?

7.00 P.M.

When you have said it openly here that he was responsible for it, there is a case to bring him to India. Either he is in Dubai, in which case you bring him India, or he has fled from Dubai.

Sir, crores of rupees are involved in getting these explosives into India. Money is not a problem for Dawood Ibrahim, we know that. But to get the explosives is the problem. You cannot buy them anywhere. Therefore, it is only fit and proper to assume that this is part of a more bigger conspiracy. Various terrorist organisations in the Middle East and in other parts of the world would have been involved in this, and Dawood Ibrahim and Memon may only be the fronts of a bigger conspiracy against our nation. You have mentioned about Pakistan. It is quite legitimate. Pakistan was very interested in things like this. It would have done this. This is something which the Bombay police cannot do This is something which the CBI on its own cannot do. You have to get the co-operation of international police and other anti-terrorist organisations in other countries.

With regard to Memons, you have said here that they were in Karachi and that nothing more had been heard about them. There are reports which say that they were taken to Afghanistan, somewhere in Kandhahar and that they were undergoing plastic surgery to change their appearance and that they are being given new identities so that it would be difficult to find them out. Another report even said that they might have been bumped off in order to preserve the identity of the real conspirators behind this.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR : Conspiracy by whom. By Pakistan or by Indians ?

SHRI G. G. SWELL : No, no. By terrorist organisation or may be by Pakistan itself.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR : By Pakistan ?

SHRI G. G. SWELL : It could by by Pakistan or other terrorist organisations or her people. They could have been bumped off so that the whole thing could be buried in secrecy.

Lastly, Sir, I think, this is a very fit case in which India should seek the co operation of Israel. This is one area where India's interests and Israel' insterests are identical. We know Israel's expertise. We know how Israel discovered, found out the Nazi criminals who had disappeared, had gone and hidden themselves in some south American countries for decades under different identities and all that sort of thing. They were able to catch them and bring them for trial to Israel. Why can we not take their assistance? I think it is quite easy for them to find out where the Memons are or Dawood Ibrahim is. Why do you fight shy of it ? It is right to do something of this nature in order to lay our hands on these criminals.

Thank you, Sir. I have finished.

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Mr. M. C. Bhandare not present. Shri Giri Prasad.

SHRI N. GIRI PRASAD (Andhra Pradesh) : Sir, I have gone through the statement. The statement is based upon investigations made by the Bombay police.

Recently I came to know that many people appreciated the activities of the Bombay police in arresting criminals, in gathering information and in exposing them through the press also. To that extent they have acquired some credibility.

But at the same time I am in doubt whehter the same police was there before March 12 in Bombay or it was a different police either in personnel or in the type of organisation. When the Bombay police takes so much credit for its activities now and it has given a very detailed analysis here on the basis of the reports, what was

this particular police doing before March 12? This is my doubt. Either the Bombay police or the Home Minsiter is bound to say something on this. They have to say, otherwise my doubts are not cleared in spite of reading of this data here.

Secondly, in the morning's statement there was a particular incident which was mentioned earlier by friends here. The Maharashtra Police have reported that similar landings of arms and explosives also took place on December 3, 1992 and January 9, 1993 at village Digi, Taluka Srivardhan. These consignments involved M. Busa, a notorious smuggler. But as far as I could see this fact was not revealed in this statement. I do not think this is a very insignificant matter. Of course, on February 2 and 3 there were bigger landings. But much earlier, almost one month back or even earlier, there were many landings of explosvies and arms. What was the Bombay Police doing then? What was the Central Government doing? What was the Home Ministry doing? These are the doubts. There is a cold war also not only in this House, but also between the Government of Maharashtra and the Union Home Ministry. It may not be the entire Government of India. Everybody knows that. I know the Bombay Police Chief snubbed the great hon. Home Minister here "All these things could not be revealed to the Press", once he said. That gentleman said "The Home Minister had no *locus standi* here. I am governed by my own Government and my own rules." I don't want that the quarrel between them should be prolonged, but we are living in a country, which has been sought to be destabilised by many sides. We can understand Pakistan's involvement. We can understand many other anti-Indian forces involving themselves to destabilised our country. But is it not a fact that the quarrel between the Maharashtra Government and the Union Home Ministry is affecting the investigation? Is it the way to proceed with such a big problem having dangerous implications for the safety and security of the country? What is this quarrel? Whatever the resources that are available with the Home Mniistry, they should be made available to the Bombay Plolice or the Government of Maharashtra. Whatever information they are having, whatever services they required from the Central Government, they should seek. For the losses nobody takes responsibility; for the gains everybody wants to take responsibility. Take, for example this so-called contraband of arms and ammunition. Of course, until it is opened and exploided nobody knows whether it is arms or RDX or something else. It may be goods also. When the Government of India cannot stop these contrabands, how can they stop the contraband of arms? So, the customs department is also involved here. When the customs department or any other department in the country does not take proper steps to stop this smuggling, who will stop? If they cannot stop smuggling, they cannot stop smuggling of arms also. So, that is the responsibility of the Central Government. I do not think the Central Government has no responsibility in safeguarding the unity and security of the country. Law and order may be with the State Government. The Central Government may not be able to arrest people as they like; they may not be able to start investigations on their own, but the Central Government has very big powers to investigate matters, to enlighten the State Governments and they can draw upon the intelligence services of the State Governments.

They can send directives to the State Governments. Before coming to the Rajya Sabha I thought that there was a big force called the Union Home Ministry but now it appears to me that it is very weak. They just can't advise the State Governments. They just can't guide the State Governments at least with regard to the security of the country. Therefore, my suggestion to the Minister is that the Central Government, particularly the Home Ministry, should involve itself in unearthing this consipiracy.

My last doubt is, after all these things have happened there was a report where

some political circles are also involved. I read a newspaper which was given to me. It was reported in that newspaper that a notorious smuggler of Madhya Pradesh Mr. Rusi Pathan was having links with a Union Minister. That was not properly answered by the Government. There were so many pictures where the two gentlemen appeared together. How is it possible ? Mr. Rusi Pathan must be a gentlemen or our hon. Minister does not have any relationship with him. These are the doubts lingering in my mind arising out of the political situation, arising out of the actual things that have taken place. They should be clarified.

THE DEPUTY CHAIRMAN in the Chair : My last question is : Even now what is the guarantee that there will be no lapses in the security arrangements? After the bomb blasts in Bombay, there were bomb blasts in Bangalore also. There are reports that many kilograms of RDX material has not been seized. There may be some more boxes of RDX material which have not yet been recovered. May I know from the Home Minister, what steps he is taking to safeguard the security of the country ? Unless these doubts are cleared, we will keep on reading these things in the newspapers. Therefore, I request the Home Minister to take stringent action to safeguard the country's security. I also want the Minister to assure this House that such things will not be repeated in the near future in the best interest of the country.

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar) : Madam Deputy Chairman, I remember earlier in this House whenever this question of bomb blasts in Bombay or the bomb blasts in Calcutta had been mentioned, in my intervention in the discussions, I had always warned all sides of the House that no statement should be made for which we don't have absolute, incontrovertible evidence. As far as a neighbouring country, namely, Pakistan is concerned, we should be very cautious in our approach because it is going to affect our bilateral relationship in the long term. Therefore, we have to be cautious. If we have evidence that Pakistan has done all this, then, we should destroy the hand which is trying to advance itself towards our country.

Now after that I remember that in one of his visits when the last session of Parliament was on, the Minister for Internal Security went to Kashmir and there he made a statement that Pakistan was responsible for all this which was shown on the television also. The hon. Chief Minister of Maharashtra made statements in the press that Pakistan was responsible for it. I remember my colleague, Mr. Digvijay Singh had raised that issue in this House and had asked the Home Minister and the Government, "What was the evidence ? Are such statements being made out of *turn* ?"

Now, finally, the hon. Home Minister has come with a statement before the Rajya Sabha. I would like to draw the attention of the Home Minister, through you, Madam Deputy Chairman, to the first sentence of the first paragraph. He says, "A conspiracy appears to have been hatched by Pakistan..." He is a very senior person. He is a very experienced person. He is a very learned person. He is a master of the language. I am sure he has chosen his words, very, very carefully. He says, "A conspiracy appears to have been hatched by Pakistan...". He does not say, "A conspiracy has been hatched". Now, I draw your attention to the last line of the last paragraph where he says, "While the investigations are continuing, the results of the inquiries so far clearly indicate Pakistan's organised support and involvement in the planning and execution of the series of bomb blasts....". It is "indicate" and not "prove". Why has not the Home Minister said that the evidence so far clearly proves Pakistan's organised support and involvement in the planning and execution of the bomb blasts ? Why does he merely stop at saying that it appears that they have a hand, it indicates, this and that ? And then, seeing the manner in which the chronology of events and the whole thing has been described, I feel that this is not the statement of the Home Minister of a mighty country like India. This is a widow's wail. It appears as if here we are helpless, babe in the woods,

we have absolutely no power, we have no machinery at our disposal. And, these people come, they hatch a conspiracy over a period of time, they land arms, they train people, they go via Dubai to Pakistan and get trained and in retrospect, we get all the information and say this is how it has happened. I am posing two specific questions to the Home Minister. The issues that have been raised by his statement, Madam Deputy Chairman, are very serious. They do not end with the borders of the country. They go beyond the borders of the country. They do not end with our relationship with Pakistan. They impinge on our international standing and international relationship. A question was answered and the External Affairs Minister was there in the morning in this House. The point is, if we have irrefutable evidence, I would like the Home Minister not to mince his words when he replies to these clarifications. He must be able to state before this House today in his reply that they have irrefutable evidence of Pakistan's involvement in this crime. And, if he says that there is irrefutable evidence, then, merely a widow's wail will not do; then, we expect the Government of India to act. So, the first thing is, is there irrefutable evidence or is there merely an indication or a presumption or a suggestion? This is the first point, Madam Deputy Chairman.

And the second is a clarification which has been sought by other colleagues here as to what was happening in this country. Why are we so helpless ? Why are we so porous that people come, they conspire, they do everything ? People go out and people come in. Don't you check these flights ? Pakistan International Airlines are operating. Don't you have your agents in Dubai ? Don't you have your agents watching the Santa Cruz or the Sahar Airport in Bombay ? I mean, you surely have some record of these goings-on. And, if you do not have, then I say that under your regime, the intelligence agencies of this country have completely collapsed, they are not doing their work. All these things have been watched.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR (Uttar Pradesh) : He has picked up VIPs, not criminals.

SHRI YASHWANT SINHA : That is for the Home Minister to clarify. As far as Pakistan's attitude is concerned, what does the Home Minister say ? I am sure he has consulted the Ministry of External Affairs before he formulated this statement. The reaction of the Pakistani authorities to the information given to them so far indicates that Pakistan will take all possible measures to ensure against the exposure of any information relating to Pakistan's involvement. Pakistan would try to safeguard against any revelation of their involvement in the explosions. My question to the Home Minister is this. These incidents took place some time ago. A month and a half have passed. What is the action that you have taken at the bilateral and at the international levels ? You have said that Pakistan is under watch by some international powers. We all know, we have read in the Press, that the USA is considering declaring Pakistan a terrorist State. There was information that Pakistan might be declared a terrorist State any moment. Then we heard that because there was a change, the Nawaz Sharief Government was dismissed, President Clinton would hold his hand and would look at the whole situation again after Pakistan's elections were held. Now, whatever the USA is doing, Madam Deputy Chairman, the point remains, what is it that we are doing as a Government, as a sovereign power ? In what manner have we agitated this issue in the United Nations, in the Commonwealth and in other international fora ? Let the Home Minister give us this information. The statement could have been more complete if he had given information in regard to this after having collected this information from his colleagues in the External Affairs Ministry. But this information must be available with us, as to what the Government proposes to do. Will it satisfy us if we only depend on the U.S. to declare Pakistan a terrorist State and then we will sit here in this House and clap that Clinton has declared Pakistan a terrorist State and we think that our job

is done ? Is that the manner of dependence on the U.S. Administration that we have in this country today or is it something that the Government of India can do on its own ? I know that the days of a war on the cutting off of Jenkins's ear are over, that we cannot go to war so easily, but the experience of Falkland is not so distant in the past and there are other instances. There are other instances where countries, most recently, have been taught a lesson for their low-intensity terrorist activities in another country.

The point I am making, Madam Deputy Chairman, is, this statement will not do. The Home Minister will have to stand up here now and tell this House, taking the House into confidence, that we are going to deal with Pakistan, that we will not let Pakistan treat us in this manner, that if they again commit crimes against our people, then we are capable of teaching Pakistan a lesson. I am not happy talking about this. But it is your assessment that Pakistan is responsible for all this that has happened, that you have irrefutable evidence. Then, please move in this matter. The whole country will be behind you. But if you don't, then let me tell you, Mr. Home Minister, Madam Deputy Chairman, that this is a very ruthless world. You know—I am sorry to say this, because I have great personal regard for you, Mr. Home Minister,—the Babri Masjid has been destroyed in your regime all these riots, and communal conflagration have taken place in your time, these bomb ings have taken place in your time. We are just helpless, mute witnesses. There does not appear to be a Government in Delhi. There does not appear to be a Government which rules, a Government which functions. There appears to be a Government which is totally out of gear. a Government which is so ponderous that it cannot move. So, Madam Deputy Chairman, if this is a statement of the Home Minister, I would suggest in all humility, but still with all the emphasis at my command, that the Home Minister does not really have a right to continue in his position. If this is what has happened, if this is the way Pakistan has acted with our country, with our people, if hundreds and thousands of lives have been lost because of the incompetence and because of the negligence of the Government, then somebody has to pay the price. Mr. Home Minister, it will add to your reputation if you were to announce that you are resigning because all this happened. It will not.....

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry) : Why ?

SHRI YASHWANT SINHA : He should resign because what else, what else will be there after this ? He has admitted that this is the manner in which all these things have happened. Somebody has to take the responsibility. You cannot catch hold of the last chaprasi or the last sipahee and say that he is responsible and all of us sitting here will say that nobody else but those at the political level are responsible. It is the political level which must take the responsibility and we will be setting high standards and high norms of democracy if the Home Minister were to take that responsibility.

SHRI V. NARAYANASAMY : How many of you had resigned when our leader, Prime Minister Rajiv Gandhi, was assassinated ? How many of you had resigned ?

SHRI YASHWANT SINHA : Mr. Narayanasamy, you have received a reply to that question. Let me tell you, you have received a reply to that question on a number of occasions. I mean, the other day Mr. Kamal Morarka replied to that. We were a Government who had already resigned. O. K. So it could not resign again. What is the logic ? We had already resigned. And if you carry that logic, then the Prime Minister, as Mr. Kamal Morarka said the other day, has no right to continue to be the Prime Minister of this country. Why ? Why ? Is Mrs. Gandhi's assassination a different matter than Mr. Rajiv Gandhi's assassination ? Let us carry the concept of responsibility all along. You apply it. I am prepared to do it. Let your Prime Minister also become a pedestrian like the rest of us and then I will say that the concept of

responsibility has been fully implemented. You cannot say, "Why did not Mr. Chandra Shekhar resign ? " Mr. Chandra Shekhar had already resigned. It was only a caretaker Government at that time. There was no way in which he could have resigned once more. Then don't ask me to deal with the Verma Commission at this stage. When discussion on the Verma Commission takes place then we will enlighten you about the responsibility and we will see what you have to say after that—how your own people were responsible and how you will treat those people who led Mr. Rajiv Gandhi to Sriperumbudur and led him to his murder. So, don't provoke me on that. I am merely saying, Madam Deputy Chairman, after this statement there is no way in which I can see the Home Minister continue in his office, in his position. He will do a great favour to this country, he will do a great favour to the Ministry, he will do a great favour to the Government, if he were really to resign. I am saying this, as I said, in all humility. I don't always get up and raise certain issues. But when I read this statement last evening, I felt that this was the minimum price which this Government had to pay for its lapses. I don't expect them to act, because if they had acted there would have been some indication in this statement about the action they have taken. They have not acted. They have merely described. They are merely receiving reports in retrospect and that will not do. The whole nation, Madam Deputy Chairman, is watching and the whole nation is ready. It has already condemned this Government for its failures, for its lapses.

THE DEPUTY CHAIRMAN : I think from each party too many people have been given a chance to speak. We have broken the law that one person from each party should be given a chance.

SHRI VITHALBHAI M. PATEL (Gujarat) : Madam, after going through the statement of the Home Minister, I appreciate the work of the investigating agencies. They have found out something. The whole statement gives the impression that only Pakistan is behind it. Madam, Dawood Ibrahim and his gang were operating in Bombay since many years. The Bombay police do not know about his activities. I am sorry I cannot believe it. But what the police today is doing is all right. Earlier the police was knowing all the activities of Dawood Ibrahim and other gangs but they did not take any action against them. Suppose Pakistan is behind all that, then what are you going to do ? Pakistan is not going to respond to you at all. There is no stable Government in Pakistan. There is total instablity. Who will reply to you ? The instability in Pakistan is not in our interest. Somebody may be happy over it. But I am not happy. There should be a stable Government so that you can properly deal with that Government and talk to them.

DR. YELAMANCHILI SIVAJI (Andhra Pradesh) : Let us bring a stable Government in Pakistan.

SHRI VITHALBHAI M. PATEL : I wish that. I wish that there should be a stable Government in Pakistan. It will be good for the country.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR : If assured of Cabinet rank, all Congressmen will go there.

SHRI VITHALBHAI M. PATEL : Mr. Mathur, this is all a fallout of your action in Ayodhya. After the Ayodhya incident all these things are happening. This is not the act of Pakistan only. The gang of Dawood Ibrahim had taken oath when Babri Masjid was demolished. They said Islam is in danger. They wanted to teach you a lesson. These very people came forward. They wanted to teach you a lesson. They have been instigated and they are doing all these things.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : ऐसा कह करके देश को बर्बाद कर रहे हैं । सुबह खुद ही कहा है कि हथियार पहले आ रहे थे, महाराज ।

SHRI VITHALBHAI M. PATEL : This is the fall-out of your actions. Don't be happy. Some day this will kill you also. Madam, after the Bombay blasts, there

was the Calcutta blast. The Bombay police has investigated something but nothing has so far been done by the Calcutta police. There was the arrest of only one person and it is still not known with whom he had links. Then there was a blast in the Surat railway station. Yesterday, I read in the newspaper that two people were arrested with some explosives in Baroda and their plan was to blast the Narmada dam. If this is the thing and if you leave everything on the state Government, I think that we will not be able to know as to who the real persons behind this are. So, there must be some monitoring agency and coordinating agency. May be, this would happen again. So, there should be some coordinating agency which can find out as to why this is happening. Another thing is that I do not know whether in Bombay the Police Commissioner or some police officials and the BJP-Shiv Sena have any link. Is the briefing to the Press coming from the police or the BJP-Shiv Sena combine? The newspapers have been mentioning the names of progressive people who have nothing to do with the riots. They have mentioned the names of Shabana Azmi, Dilip Kumar, Sunil Dutt and so many people. Even the passport office issued a statement that no M. P. had recommended to them to issue passports to the Memons.

And the BJP-Shiv Sena combine declared the name of one of the M.Ps. who has nothing to do with that. The BJP has taken advantage of the situation and the police has helped them. One Shiv Sena MLA was caught as he was in possession of some weapons. He was not arrested under TADA and he was released on bail. And even though Sunil Dutt's son was carrying only one weapon, he was arrested under TADA and the Police Commissioner asked the Court to remand him for 60 days. What crime did he committed ? Why was the Shiv Sena MLA left out ? (Interruptions).

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : चव्हाण साहब से पूछो हम से क्यों पूछते हो ।

SHRI VITHALBHAI M. PATEL : I am asking you also. And why have the BJP and Shiv Sena said that Hangal and Dilip Kumar should be boycotted ? Is it because they attended the Republic Day celebrations of the Pakistan Government? But they do not want to boycott Dr. Murli Manohar Joshi. He also attended the gathering. Why boycott only Hangal and Dilip Kumar ? And Dilip Kumar didn't even attend it. So, I would request the Government to find out as to what connection the BJP and Shiv Sena have with the police. The BJP people are creating an impression that all the Muslims are connected with the happenings. They want to poison the minds of the young people saying that all the Muslims were involved. Mr. Mathur, it is not in your interest also to say such things.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आप और बताइये कुछ, बी.जे.पी. के खिलाफ बोल दीजिए ।

विट्ठलभाई पीतांबरदास पटेल : आपका क्या-क्या बताएं, आपका इतना है कि कितनी बहस करें, उतना ही ढूंढ सकते हैं । मैं तो ज्यादा जाना नहीं चाहता गुजरात के आपके लीडर के बारे में । मुझे बोलना मत, मैं बहुत कुछ कह सकता हूं उनके बारे में और दूसरा . . . (**व्यवधान**)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैं आश्वासन देता हूं, आपकी कोई पट्टी नहीं खोलूंगा । आप बोलो । आप बोलिए-बोलिए । हमें फायदा होता है । आप जब गलत बातें बोलते हैं तो बहुत फायदा होता है ।

SHRI VITHALBHAI M. PATEL : In this case, about Dawood Ibrahim, Memon family, their activities for the past many years and the police and customs officers connected with them, all these should be found out by the Central Government because I don't think the Maharashtra Government would be able to find out anything. If you raid the houses of 50 customs officers out of the 100 and odd officers working in Bombay, you will find lakhs

of rupees and materials with them. You check up and find out how they are connected with those people. You should also find out the Pakistani involvement and these smuggler's links with it and investigate cases and then let us know who is involved in this.

Thank you. (ends).

THE DEPUTY CHAIRMAN : Shri Jagmohan.

SHRI JAGMOHAN (Nominated) : Madam, I don't want to repeat what has already been stated but I want to make one or two basic points.

One is that the Government must consider how this power structure has grown, a structure that is based on smuggling, land racketeering, criminals and gansters. That is the basic issue why all this is happening. If anybody wants to do something like that, he can easily do that because of this power structure. Therefore, the basic issues are, what type of power structure this country is having, on what this power structure is based and what is the element of the Indian State ? At every stage, the soft and porous character of the Indian State has been utilised by this power structure. If it is smuggling, they can always smuggle. If they want to do land racketeering, illegal construction, they can do that. If they want to have gambling and dancing allowed, they can have it. All types of vices are permitted to them and our attitude is, if somebody does black-marketing, we regularise black-marketing; if somebody occupies land illegally, we legalise that land. So, the basic issue is, what are we going to do to dismantle this power structure ?

Today, we have found this in Bombay. They could easily do this thing, that thing and 13 bomb explosions have taken place. How these people could manipulate within such a short time is because the system is already existing, because all the buttons are available and they are only needed to be pressed. Therefore, this is the basic issue. Everybody knows that a lot of smuggling has been taking place from these areas. Everybody knows that land racketeering is going on in Bombay and all types of dons have come, be it in the film line, be it in the film financing, or be it the financing of illegal constructions and such other structures that are coming up. These points should be considered by the Government.

The second point which I want to know is whether it is a fact that the Indian Naval Chief had suggested that to curb all this menace, we should post a frigate at the mouth of the Gulf and note down the numbers of those speed boats entering the Indian territorial waters and when they enter the Indian territorial waters, we shall just sink them. I would like to know whether such a proposal was made and not accepted by the Government. If the Government is really interested in stopping smuggling with an iron hand, why such a proposal was not accepted ? This is another point which you may consider.

My third point is the same as has been suggested by my friends that this case should be investigated by a Central agency. We are not saying that the Bombay Police is inefficient or not up to the mark. The point is that the Central agency is really meant for handling this type of crimes with wider ramifications extending to different countries. This agency has connections with the INTERPOL and has already had a lot of expertise in this field. The CBI has investigated cases like the Kanishka explosion and conducted investigations outside. It knows who is who and wherefrom the co-operation has to be sought. It is also involved in the investigation of other cases with international ramifications. Its senior officers have got training to deal with this type of cases. Therefore, this case should be investigated by this agency of the federal Government. It is a question of finding who the culprits are. Only the federal Government by virtue of its expertise can investigate this case successfully and smash the racket. This can be delegated to the States in due course of time when unfortunate incidents like this happen. These must be handled by the

CBI and also the Revenue Intelligence because smuggling is involved and because of the background of these people. So, a Central agency would be able to implement these things.

There have been reports that bomb explosions may take place as in Calcutta and Delhi and I understand that there were Intelligence reports which said that there would be explosions in all the metropolitan towns, about thirty or forty, like Bangalore, Hyderabad, etc. The point which the Home Minister may like to clarify is whether adequate steps have been taken and whether the State Governments have adequate machinery. It will not be enough just to send a letter or a warning to the State Governments. Whether the State Governments have adequate machinery to take preventive measures to see that such things do not occur is the question. So, it is a question of having an effective machinery at the disposal of the State Governments, that is, experienced personnel and an alert machinery.

Madam, these are the few points which I wanted to raise. Thank you.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Satish Pradhan. Not here. Yes, Mr. Home Minister.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN) : Madam, I think the clarifications which have been asked on the statement have been converted into a regular debate in which the security of the country and all kinds of issues have been discussed. I cannot possibly travel so far. I have been sitting the whole of the day here in the House and it will be difficult for me to reply to all the points which the honourable Members have made in their own way. There have been effective points which the honourable Members have made.

There are a few points to which I would like to react. A question was asked as to whether there was any alteration after the statement was made, that is, whether there has been any change during the period when I made statement in the Lok Sabha and when I made it in the Rajya Sabha. The only change is that the number of those arrested has gone up from 80 to 89, the number of those trained in Pakistan has gone up from 10 to 12. This is one thing. Then, most of the arrested have been arrested under the TADA Act.

Regarding the officers who have been suspended nine Customs officials have been suspended which number includes one Grade A officer. Eleven Maharashtra police personnel have been suspended. One Customs Inspector and one police Sub-Inspector have been arrested under the TADA Act. This is the basic information which I would like to give now.

The basic point which has been agitated by all the Members is whether the Government considers that it should be left only to the Maharashtra Government or the Government of India should consider intervening with some Central agencies in the matter.

Mr. Mathur went to the extent of asking how he could believe that the Chief Minister of Maharashtra, who was here as Defence Minister, was not agreeing to this. Another honourable Member went to the extent of creating some kind of an artificial sort of quarrel between the honourable Chief Minister of Maharashtra and myself and making it appear as if it was my internal problem and I was trying to sort it out on the floor of the House. May I say one thing to them ? In politics, you can say anything and you have the liberty to say whatever you like. But it should have some kind of a standard left. Don't try to accuse or make insinuations which have no bearing on the subject under discussion. Kindly don't try to make insinuations against the Chief Minister of Maharashtra or anybody else as if there is some kind of a personal quarrel going on in Maharashtra and that is why this entire episode is taking a different kind of turn. I think, to say the least, it is very unfair. This is not the way. He is a new Member in this House. And according to me, he seems to be a knowledgeable person. But making this kind of allegation

in his speech is a matter of great surprise to me.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैंने यह कहा था कि आप नहीं करना चाहते इसलिए टाल-मटोल कर रहे हैं ।

SHRI S. B. CHAVAN : I am at your point.

उपसभापति : आपको नहीं कह रहे हैं, आप नए मैम्बर नहीं हैं हाउस के । दूसरों की बात आप अपने ऊपर क्यों ले रहे हैं ?

SHRI S. B. CHAVAN : My request to the hon. Members will be that I have made this request even to the Chief Minister of Maharashtra myself. It is not a formality that I have just written a letter. I have requested him that if he can possibly agree because, the Act as it stands today, whether it is a Congress-ruled State or a non-Congress-ruled State, everybody would like to jealously guard the powers which, according to them, they enjoy. And so, it is quite possible that this must have actuated the kind of response that I got from him. I see the point that some of the hon. Members feel that there are some points on which a number of things will have to be gone into and whether the Maharashtra Government has the necessary expertise in the matter. Madam...

AN HON. MEMBER : Whether it is confined only to Maharashtra ?

SHRI S. B. CHAVAN : So far as this problem is concerned, I am basing my information on the statement and on the material which the Maharashtra Government has supplied. And as far as the investigation of the present case is concerned, at least, I have not come across any kind of connection between the Maharashtra incident and the Calcutta incident or for that matter any other incident which must have taken place. There is no connection so far found in the matters of investigations. But this is as things stand today. Might be, in due course of time, when they go ahead and investigate a number of cases, they might come across some other information which I cannot, at this stage, foresee. But the fact still remains that unless any State Government for that matter would agree for any kind of Central agency to look into the matter. I don't think that there is any way out by which we can force ourselves or force the CBI or any Central agency on any State Government. Hon. Members, when it comes to the Congress-ruled State, everybody would like to have a Central agency. But when it comes to any other State, then everybody else says, no Central agency can possibly interfere in the matter.

SHRI G. G. SWELL : It has gone out of the boundaries of the country itself.

SHRI S. B. CHAVAN : Beg your pardon.

SHRI G. G. SWELL : The investigation is not confined only to India. It has now gone out of the boundaries of India.

AN HON. MEMBER : There are the Memons.

SHRI S. B. CHAVAN : You will have to isolate these two issues. Happenings in Bombay will have to be treated separately. If it has connections with Pakistan or for that matter UAE.

SHRI G. G. SWELL : With Dubai definitely.

SHRI S. B. CHAVAN : With UAE Government or the Pakistan Government, at the appropriate level, we have taken up the issue. From the External Affairs Ministry, we have taken up the issue with the UAE Government, we have taken up the issue with the Pakistan Government. Let there be no impression among the hon. Members as if the External Affairs Ministry has not taken any initiative in the matter.

SHRI G. G. SWELL : We have not sought the co-operation of the INTERPOL.

SHRI S. B. CHAVAN : We have. In the very beginning, I think, on the 12th night itself, I had gone to Bombay and at

that time itself. I mentioned this to the press also that I had requested the INTERPOL to kindly help. Some officers from that side had come to Bombay. CBI people have also been helping the Maharashtra Government in finding out how the things have happened and how the things are happening. In that way it is not such a water-tight compartment that if it is entrusted to the CBI, then only they will take interest in the matter otherwise they will just keep aloof. That sort of thing is not happening. Interpol is very much there. I had also requested the FBI whether they can assist us in the matter and our Central agencies, both the CBI and RAW have also been helping us in the matter. So, every agency to the extent it is possible, is helping us, because ultimately we are interested in finding out the truth. If we can see any kind of connection or any plan of action in which the entire country is going to be engulfed, then it becomes a matter about which everybody is to be concerned. So, from that point of view, we were keen to find out but so far the investigation has not revealed anything of that nature and that is why I beg of you not to insist on having some kind of a Central agency which should go deep into the matter and carry on the probe.

Madam, I don't think I will be able to reply to all the points. I have taken note of them. But as far as possible, this was the main issue which was raised by the hon. Members. On all other issues which are matters of detail, I don't think I will be able to respond.

Hon. Member, Shri Jadhav, went to the extent of saying that both Lok Sabha and Rajya Sabha should pass a Resolution demanding the world to declare Pakistan a terrorism-sponsoring State. I don't think it is called for. It is a matter on which he seems to have got agitated and that is why at the spur of the moment he seems to have said this without understanding the repercussions of passing a Resolution in both the Houses.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Yesterday also there was a demand of this type and he said the same thing.

SHRI S. B. CHAVAN : Equally, I will strongly refute any kind of thing which will aggravate the situation knowing full well that Pakistan has not been very friendly to us with their direct or indirect involvement in this episode and not in this alone, but also in Punjab and Kashmir. We know for certain that Pakistan is involved in large number of ways. Knowing that also, I don't think it will be wise and prudent on the part of the Government of India to say anything or to threaten that we will cut off all our diplomatic relations with Pakistan, and even if it is to be done, I am not the proper person to say anything of that nature. It will be proper for the External Affairs Ministry to consider all aspects of the question and thereafter in a very cool and collected manner that will have to be considered as to what steps need to be taken.

SHRI G. G. SWELL : I would agree that we should act with restraint, with responsibility and fortitude. These things cannot be done in that way. But I would put a specific question. Where is Dawood Ibrahim ? If he is still in Dubai, what are we doing to get him extradited to India ?

SHRI S. B. CHAVAN : These are very delicate questions. Might be that if Mr. Swell who happens to be a good friend of mine could see me alone, I will be able to give him more information. But on the floor of the House, I would not like to say anything. I can merely say that we had taken up this issue though we know that we do not have any extradition treaty with UAE and also with Pakistan. In spite of that, being a friendly country we had requested the UAE Government not only for Dawood Ibrahim but all the members of Memon Family. We requested them but by the time they could think of doing something, they had left for Pakistan and Pakistan is still not positively responding...

SHRI G. G. SWELL : Including Dawood Ibrahim ?

SHRI S. B. CHAVAN : I would not be able to say exactly where he is now. He was in Dubai and that is what I know. About rest of the things I am not aware.

I don't think I should say anything more whether it was having some kind a connection...

SHRI V. NARAYANASAMY : Our hon. Prime Minister meet the former Prime Minister of Pakistan at Dacca. If you are able to respond to my specific query, I would like to know the details of the talks on this issue.

SHRI S. B. CHAVAN : I think Mr. Narayanasamy must be aware of this. It has come in all the papers. Our Prime Minister, when he went to Dhaka for the SAARC summit, had taken up the issue with the then Pakistan Prime Minister. But I do not know the details of it. Therefore, it will not be proper on my part to say as to what transpired between them and, ultimately, what was the outcome. It will be hazardous on my part to say anything.

One other point which was made by hon. Members was, whether there was any kind of a connection between the happenings in Bombay and what happened in Ayodhya. This was another issue raised by hon. Members on the floor of the House. It will be rather difficult for me to make any kind of a statement at all on this issue, at this stage, until the entire investigation is completed and they come to a definite conclusion because, if I say anything, it will be interpreted in different manners in different quarters. It will be rather difficult. That is why I would not like to say anything on this issue until the investigation is completed.

Madam, this was all I wanted to say. I do not propose to say anything more.

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar) : Madam, though it is a little late in the day for any intervention, I would just seek one clarification. I had asked the Home Minister specifically whether there was irrefutable evidence of the involvement of Pakistan. He has been very circumspect in his reply. I would say that he has been even more guarded than he was in his statement, which is a written statement. But is he aware of the fact that only recently, about three-four days back, the Minister for Internal Security, during his visit to Bihar, to a place called Hajipur, where he was addressing a Congress congregation, said 'We will destroy Pakistan; we will teach Pakistan a lesson'. That is why I would like to know whether we have enough, irrefutable, evidence that Pakistan is responsible for all this. If this is the public stance of the Government of India, why is the hon. Home Minister so circumspect about it in the House?

SHRI S. B. CHAVAN : Madam, unless I see the authentic report of it, it will be hazardous on my part to say anything.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Now, the clarifications on this statement, are over. We have another statement, by the Minister of Health and Family Welfare, regarding the fire in the All-India Institute of Medical Sciences.

SHRI V. NARAYANASAMY : Madam, it is already 8 p. m. We can take it up tomorrow.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Unfortunately every day, so many things happen in the country that we have to have some statement or the other.

No, the Minister will lay the statement on the Table of the House. Copies will be distributed. We can have the clarifications tomorrow or whenever we find time. Mr. Minister, you please say that you are laying the statement on the Table of the House so that I can make it official

---

STATEMENT BY MINISTER
Fire in All-India Institute of Medical Sciences

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI PABAN SINGH GHATOWAR) : Madam, I lay on the Table a statement on the fire in the All-India Institute of Medical Sciences,